स्पोर्टस मेडिसिन विभाग, के0जी0एम0यू0,लखनऊ की स्थापना एवं केन्द्रीय सहायता उपलब्ध होने के विषय में यह प्रेस कान्फ्रेन्स आज आयोजित की गई है।

आज हमारा देश खेल–कूद की दिशा में उत्तरोतर प्रगति कर रहा है ऐसे में खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होना समय की मॉग है। अपने देश में गिने–चुने स्पोर्टस मेडिसिन सेण्टर ही उपलब्ध है एवं अपने उत्तर प्रदेश एवं आस–पास के प्रदेशों में एक भी नहीं है।

प्रतिस्पर्द्धा वाले खेलों में खिलाड़ियों को अक्सर चोटें लगती रहती है जिनका उपचार सामान्य चिकित्सकों द्वारा ही किया जाता है। विशेष रूप से इसी कार्य के लिए प्रशिक्षण प्राप्त चिकित्सक,फिजियोथेरेपिस्ट एवं इस प्रकार की सुविधा उपलब्ध चिकित्सा केन्द्रों के अभाव में खिलाड़ियों का पूरा कैरियर बिगड़ सकता है। उदाहरण के लिए एथेलेटिक्स में 34 प्रतिशत, कबड्डी में 27 प्रतिशत एवं खो–खो इत्यादि में 23 प्रतिशत तक खिलाड़ियों को चोटे आती है। अधिकतर चोटें (80 प्रतिशत) पैरों में देखी गई है इनमें से अधिकतर चोटें आसानी से ठीक हो जाती है किन्तु 05 से 10 प्रतिशत चोटों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं विशिष्ट सुविधाओं से युक्त स्पोर्टस मेडिसिन सेण्टर की आवश्यकता है।

इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार के Ministry of Youth Affairs And Sports ने देश–भर से पॉच संस्थानों को चुनकर पॉच वर्षो के लिए 12.5 करोड़ रूपयें की राशि स्वीकृत की है जिसमें उत्तर प्रदेश में एकमात्र संस्थान के0जी0एम0यू0,लखनऊ को चुना गया है। यह राशि स्पोर्टस मेडिसिन विभाग की स्थापना एवं उसको पॉच वर्षो तक चलाने हेतु स्वीकृत की गई है तदोपरान्त विश्वविद्यालय का दायित्व होगा।

उत्तर प्रदेश में 68 स्टेडियम, 03 स्पोर्टस कॉलेज, 05 हॉकी स्टेडियम, 13 बास्केटबॉल स्टेडियम एवं अन्य बहुत से क्रीडा सस्थान है किन्तु एक ही इस प्रकार का विशिष्ट स्पोर्टस मेडिसिन का चिकित्सा संस्थान नहीं है। उत्तर प्रदेश का प्रथम एवं भारत का छठा स्पोर्टस मेडिसिन विभाग के0जी0एम0यू0,लखनऊ में स्थापित हो रहा है। हमारे मान्नीय कुलपति डा0 एम0 एल0 बी0 भट्ट जी के अथक प्रयासों से ही यह सम्भव हो सका है।

शताब्दी अस्पताल में इस विभाग की स्थापना प्रस्तावित है एवं विश्वविद्यालय द्वारा मूल–भूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। प्रदेश सरकार से भी इस विषय सहयोग प्रदान करने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी गई है। आशा है कि अगले वर्ष से 02 एम0 डी0 एवं तीन डिप्लोमा इन स्पोर्टस मेडिसिन पोस्टग्रजुएट आरम्भ हो जायेगा।

इस विभाग का उद्देश्य स्पोर्टस सेण्टर, स्पोर्टस कॉलेज, स्पोर्टस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (साई) के एक क्षेत्रीय, 06 प्रशिक्षण केन्द्र एवं 08 अतिरिक्त सेण्टर जोकि अपने उत्तर प्रदेश में स्थित है एवं आस–पास के प्रदेशों के इसी प्रकार के संस्थानों को जोड़ना एवं इनमें प्रशिक्षण पा रहे खिलाड़ियों को स्वास्थ्य सम्बन्धी स्टेट ऑफ आर्ट, उत्कृष्ट सुविधाओं का लाभ प्रदान करना है। विदेशों में स्थित विश्वस्तरीय अन्य संस्थानों से सहयोग (एम0ओ0यू0) करना एवं वर्तमान में के0जी0एम0यू0, लखनऊ के जिन 06 संस्थानों से इस प्रकार के कार्यक्रम चल रहे है उनको बढ़ाना एवं इस पर शोधकार्य करना इस विभाग की प्राथमिकता होगी।

इसके अतिरिक्त इन सुविधाओं का लाभ जैसे कि– अ्रथ्रोस्कोपी की सुविधा सामान्य जनता को भी उपलब्ध कराना विभाग एवं विश्वविद्यालय की नैतिक जिम्मेदारी है और रहेगी।